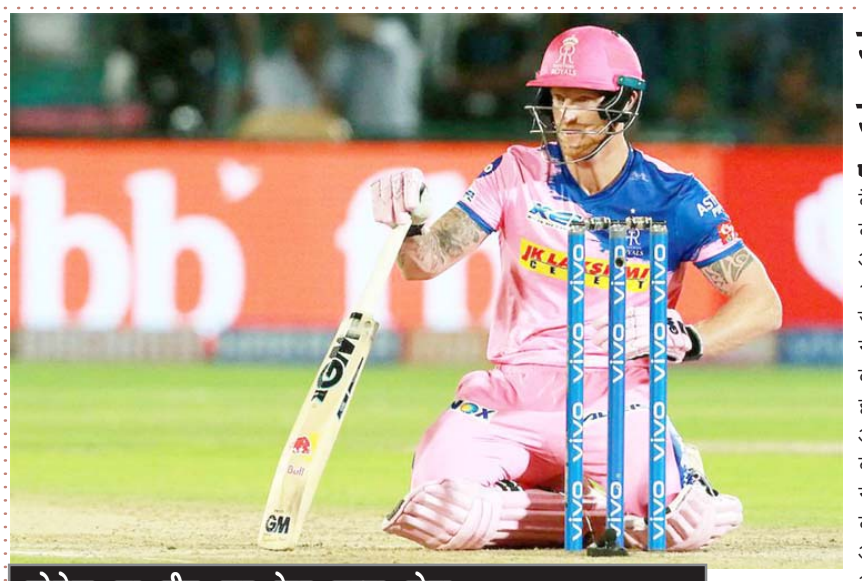

कोरोना का तीन बार टेस्ट करना होगा

कोरोना के लेकर आइपीएल की गाइडलाइंस के अनुसार यूएई पहुंचने के बाद खिलाड़ियों को कोरोना का तीन बार टेस्ट करना होगा। तीनों टेस्ट नेगेटिव आने पर वह अपने साथी खिलाड़ियों के साथ ट्रेनिंग शुरू कर सकते हैं। स्टोक्स के आने से रॉयल्स को काफी फायदा होगा। वह गेंद और बल्ले दोनों से टीम को योगदान देंगे। टीम ने अब तक खेले गए तीन मैचों में से दो में जीत हासिल की है।

राजस्थान रॉयल्स के लिए अच्छी खबर, जल्द जुड़ेंगे बेन स्टोक्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ मैच से पहले राजस्थान रॉयल्स के लिए अच्छी खबर सामने आ रही है। इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स इंडियन प्रीमियर लीग के 13 वें संस्करण में शामिल होने के लिए शनिवार रात को दुबई पहुंचेंगे। हालांकि, वह अभी कुछ मैच नहीं खेल पाएंगे। कोरोना वायरस माहमारी की वजह से उन्हें कुछ दिनों तक क्वारंटाइन में रहना होगा। समाचार एजेंसी एएनआइ से बात करते हुए आइपीएल से जुड़े सूत्रों ने पुष्टि की कि पिता की बीमारी के कारण टूर्नामेंट की शुरुआत में टीम से नहीं जुड़ पाए स्टोक्स, राजस्थान की टीम से जुड़ने के लिए यूएई आ रहे हैं। वह आज रात को यहां आ रहे हैं। कोरोना प्रोटोकॉल के कराण स्टोक्स अगले कुछ मैच नहीं खेलेंगे, लेकिन उनके आने से स्मिथ निश्चित तौर पर खुश होंगे। ब्रिटेन और दुबई में बायो बबल से आने वाले अंग्रेजी और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को 36 घंटे के लिए क्वारंटाइन में रहना पड़ा, जबकि सामान्य नियमों के अनुसार खिलाड़ियों को छह दिनों तक क्वारंटाइन में रहना पड़ता है।

कुछ लोगों के उम्र महज आंकड़ा है, कुछ को टीम से बाहर करने का कारण...

इरफान ने पहले भी इशारों ही इशारों में साधा था निशाना

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। चेन्नै सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में काफी संघर्ष करते नजर आए। धोनी को सबसे फिट क्रिकेटर्स में गिना जाता है लेकिन आखिरी दो ओवरों में वह स्ट्राइक भी नहीं बदल पा रहे थे। इस बीच उन्होंने छोटे ब्रेक भी लिए। धोनी ने भी मैच के बाद माना था कि गेंद उनके बल्ले के बीचोंबीच नहीं आ रही थी। उन्होंने 36 गेंद पर 47 रन की पारी खेली। उनकी टीम 165 रन का टारगेट हासिल नहीं कर पाई। चेन्नै को लगातार तीसरी हार मिली।

मैच के बाद धोनी ने अपने स्वास्थ्य पर अपडेट दी। उन्होंने कहा कि वह मौसम के चलते दिक्कत में आ रहे थे। उन्होंने कहा चिंता की कोई बात नहीं है इस तरह के मौसम में गला सूख जाता है। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने धोनी की फिटनेस पर भी सवाल उठाए क्योंकि वह जुलाई 2019 के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेल रहे हैं।

टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान, जो सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव हैं, के एक ट्वीट ने कई लोगों को हैरान कर दिया है। हालांकि अपने ट्वीट में उन्होंने धोनी या किसी का भी नाम नहीं लिया लेकिन हालात को देखते हुए कुछ लोग उसे धोनी से जोड़कर देख रहे हैं। इस पर कुछ लोगो धोनी को सपॉर्ट भी कर रहे हैं।

2007 के टी20 वर्ल्ड कप और 2013 की चौंपियंस ट्रोफी विजेता टीम का हिस्सा रहे इरफान ने धोनी की कप्तानी में कई मैच खेले। वह चेन्नै सुपर किंग्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स की टीम में भी खेले हैं। आईपीएल के पिछले सीजन में चेन्नै के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने इस सीजन में अभी तक अपनी टीम के लिए कोई मैच–जिताऊ पारी नहीं खेली है। धोनी ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 17 गेंद पर 29 रन जरूर बनाए थे लेकिन बड़े शॉट तब खेले थे जब टीम की जीत की उम्मीद खत्म हो गई थी।

सनराइजर्स के खिलाफ धोनी जब क्रीज पर उतरे तो अभी करीब 14 ओवर बाकी थे। धोनी इसके बावजूद टीम को जीत नहीं दिला पाए। उन्होंने 36 गेंद पर 47 रन बनाए। इस हार के बाद चेन्नै अब अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर बनी हुई है। पठान ने श्रीलंका दौरे (2012) का जिक्र किया जिसमें उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। उन्होंने कहा, श्इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में 5 वनडे भारत ने खेले लेकिन मुझे एक भी मैच में मौका नहीं दिया गया। फिर मैंने कोच गैरी कर्स्टन से पूछा था कि मैं बेहतर के लिए क्या करूं। इस पर उन्होंने कहा था कि उनके हाथ में कुछ चीजें नहीं हैं।

लंबे इंजतार के बाद रवींद्र जडेजा ने आईपीएल में किया ये कमाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने आइपीएल 2020 के 14वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेली। ये ना सिर्फ रवींद्र जडेजा के आइपीएल क्रिकेट करियर का पहला अर्धशतक था बल्कि ये इस लीग का उनका बेस्ट स्कोर भी साबित हुआ। जडेजा ने आइपीएल के अपने 174वें मैच में ये सफलता हासिल की यानी 173 मैचों के बाद उन्होंने इस लीग में पहला अर्धशतक लगाया। इस पारी के साथ उन्होंने आइपीएल में अपने 2000 रन भी पूरे कर लिए।

रवींद्र जडेजा आइपीएल के शुरुआत साल यानी 2008 से ही इस लीग का हिस्सा हैं। इसके

173 मैच और 11 साल के बाद 2000 रन भी पूरे किए

बाद वो एक सीजन यानी 2010 में नहीं खेल पाए थे। फिर वो लगातार इस लीग में खेल रहे हैं। जडेजा अब तक आइपीएल के 11 सीजन में खेल चुके हैं, लेकिन एक बार भी वो अर्धशतक नहीं लगा पाए थे। हालांकि 2012 सीजन में वो 48 रन तक जरूर पहुंचे थे। यानी 11 साल के लंबे इंतजार के बाद वो इस लीग में 2020 यानी 13वें सीजन में अर्धशतक लगाने में सफल रहे और ये उनका अब इस लीग का बेस्ट स्कोर भी हो गया।

हैदराबाद के खिलाफ जडेजा ने जो पारी खेली और टीम के लिए बेहद अहम रही। हालांकि उनकी कोशिश सफल नहीं रही और वो टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं रहे। जडेजा ने 35 गेंदों पर 50 रन बनाए और अपनी पारी में 5 चौके व 2 छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 142.56 का रहा। वो जब आउट हुए तब टीम का स्कोर 114 रन था, लेकिन इसके बाद टीम के कप्तान धौनी व सैम कुर्रन टीम को जीत नहीं दिला पाए। जडेजा ने आइपीएल में अब तक कुल 174 मैचों में 2000 रन बनाए हैं और 110 विकेट भी लिए हैं। जडेजा अब इस लीग के चौथे ऑलराउंडर बन गए हैं जिन्होंने 2000 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं और 50 से ज्यादा विकेट भी लिया है। हैदराबाद के खिलाफ हुए मैच में धौनी की स्लो बल्लेबाजी भी टीम की हार का मुख्य कारण रहा। धौनी ने 36 गेंदों पर नाबाद 47 रन की पारी जरूर खेली, लेकिन जीत हासिल नहीं कर पाए।

गलतफहमी के कारण विलियमसन के रन आउट होने पर काफी बुरा लगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। सनराइजर्स हैदराबाद के मध्य क्रम के बल्लेबाज प्रियम गर्ग ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में गलतफहमी के कारण केन विलियमसन के रन आउट होने पर काफी बुरा लगा। पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद का स्कोर तीन विकेट पर 69 था, जब गर्ग क्रीज पर आए। इसके के कुछ ही देर बाद विलियमसन और गर्ग के बीच गलतफहमी हुई और परिणामस्वरूप न्यूजीलैंड के कप्तान ने अपना विकेट गंवा दिया। विलियमसन के इस तरह आउट होने पर गर्ग पर दबाव आया होगा।

गर्ग ने अभिषेक शर्मा को बताया कि मुझे वास्तव में बहुत बुरा लगा। विलियमसन उस समय सेट थे। वह बहुत अनुभवी खिलाड़ी हैं, लेकिन वह रन आउट हो गए। वो एक गलती थी। मैंने रन बनाया, जो अच्छा था। जब मैं वापस डग–आउट में पहुंचा, तो केन ने कहा कि आपने अच्छा खेला, चिंता मत करो और रन–आउट के बारे में भूल जाओ। सनराइजर्स हैदराबाद ने शुक्रवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स को सात रनों से हरा दिया।

न्यूज डायरी

हैमिल्टन 2026 कॉमनवेल्थ खेलों की प्रस्तावित सूची में शूटिंग को जगह नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हैमिल्टन। कॉमनवेल्थ खेलों 2026 की मेजबानी की दौड़ में आगे चले रहे हैमिलटन शहर की बोली समिति ने निशानेबाजी (शूटिंग) को खेलों की प्रस्तावित सूची से बाहर रखा है। इससे पहले बर्मिंगम 2022 खेलों से भी निशानेबाजी को बाहर रखा गया था। लेकिन भारत के दबाव के कारण इसे इसमें शामिल किया गया, जिसका आयोजन बर्मिंगम की जगह चंडीगढ़ में होगा। निशानेबाजी 1970 को छोड़कर 1966 से हर बार इन खेलों का हिस्सा रहा है। हैमिल्टन 2026 खेलों की बोली समिति के अध्यक्ष लू फ्राप्पोर्टी ने एक ऑनलाइन सम्मेलन में पुष्टि की कि निशानेबाजी इसके प्रस्ताव का हिस्सा नहीं है। श्इनसाइड द गेम.कॉमश के मुताबिक उन्होंने कहा, शफिलहाल मुझे नहीं लगता कि निशानेबाजी इन खेलों का हिस्सा है। भारतीय ओलिंपिक संघ ने भी इन खेलों के 2026 या 2030 सत्र की मेजबानी करने में रुचि व्यक्त की थी।

संजू सैमसन आउट या नॉटआउट? कैच को लेकर ट्विटर पर भिड़े फैन्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। अबु धाबी में शनिवार का पहला मैच रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जा रहा है। इस मैच में कुछ ऐसा देखने को मिला, जिसे लेकर फैन्स ट्विटर पर भिड़ गए हैं। दरअसल, मैच में स्टीव स्मिथ (5) और जोस बटलर (22) के बाद संजू सैमसन (4) भी जल्दी आउट हो गए। युजवेंद्र चहल ने उन्हें कॉट ऐंड बोल्ड किया। कैच को लेकर फील्ड अंपायर संतुष्ट नहीं थे तो थर्ड अंपायर के पास गए, जहां रिप्ले मे देखने के बाद उन्हें आउट दिया गया। लेकिन अंपायर के इस फैसले से कुछ फैन्स खुश नहीं हैं। कैच को लेकर कुछ फैन्स ने अंपायर और थर्ड अंपायर की आलोचना की है। उनका कहना है कि कैच लेते वक्त गेंद जमीन को छू गई थी तो कुछ का कहना है कि कैच को लेते वक्त युजवेंद्र चहल की उंगली गेंद के नीचे थी और संजू सैमसन साफ आउट थे।

किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ मैच में वापसी को बेताब होगी सीएसके

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। इंडियन प्रीमियर लीग में निराशाजनक शुरुआत से चिंतित चेन्नै सुपर किंग्स रविवार को किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ होने वाली भिड़ंत में अपनी मुश्किल परिस्थितियों के जवाब ढूंढने को बेताब होगी। पिछले चरणों में अपने खेल में शीर्ष पर रहने की आदी टीम चार मैचों में तीन हार से अब अंक तालिका में निचले स्थान पर है और महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई वाली टीम के लिए यह बिलकुल ही अलग स्थिति है। अच्छे खिलाड़ियों के बावजूद टीम के लिए कुछ भी कारगर नहीं हो रहा। उसने शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में अंतिम एकादश में तीन बदलाव किए, अंबाती रायुडू की वापसी और ड्वेन ब्रोवा की मौजूदगी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी। फाफ डु प्लेसिस को छोड़कर शीर्ष क्रम के नहीं चलने और मध्य के ओवरों में धीमी रन गति तथा मैच के अंत के लिए ज्यादा रन छोड़ने की आदत के कारण उन्हें लगातार तीन शिकस्त झेलनी पड़ी।

सेंट्रल कोचिंग प्रोग्राम खिलाड़ियों के प्रदर्शन में अहमः रूपिंदर पाल सिंह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेंगलुरु। अनुभवी डिफेंडर रूपिंदर पाल सिंह ने शनिवार को कहा कि हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय टीमों के लिए केंद्रीकृत ट्रेनिंग कार्यक्रम सुनिश्चित किया है, जो पिछले कुछ वर्षों में उनके प्रदर्शन को सुधारने में काफी महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने साथ ही कहा कि कुछ ही अंतरराष्ट्रीय टीमें हैं, जिनके पास इतना शानदार सेट–अप है, जिसमें सहयोगी स्टाफ और खिलाड़ी एक ही परिसर में रहते हैं। रूपिंदर ने कहा, हम दुनिया की उन कुछ टीमों में से एक हैं, जिनका केंद्रीकृत कोचिंग कार्यक्रम है जिसमें कोर ग्रुप के सभी खिलाड़ी एक साथ रहते हैं, अभ्यास करते हैं और पूरे साल प्रतिस्पर्धी मैच खेलते हैं। वर्ष 2010 में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले 29 साल के खिलाड़ी ने कहा कि केंद्रीकृत कोचिंग कार्यक्रम से लगातार खेलने की शैली विकसित करने में मदद मिली।